केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 302 बुधवार 27 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

विकास परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर डीएम सख्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी श्रीमती कृतिका ज्योत्स्ना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 50 लाख से अधिक लागत वाली विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि, अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिले में संचालित विभिन्न निर्माण एवं विकास परियोजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है।

समीक्षा के दौरान कुछ परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बस्ती जनपद में परंपरागत ढंग से भाईचारा के साथ त्यौहार मनाए जाने की स्वस्थ परंपरा रही है। उन्होने कहा कि शांति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी स्थानीय लोगों को भी उपलब्ध कराएं।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. राजीव निगम, जिला विद्यालय निरीक्षक संजय सिंह, डीएसटीओ मनोज श्रीवास्तव, अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियंत्रण अंकुर वर्मा, अधिशासी अधिकारी जलनिगम ग्रामीण योगेन्द्र प्रसाद, पशुचिकित्साधिकारी डा. ए.के. गुप्ता, पर्यटन अधिकारी विकास नारायण सहित संबंधित अधिकारी व कार्यदायी संस्था प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

बाल संरक्षण गृह का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद न्यायाधीश शमशुल हक, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवेंद्र कुमार–प्रथम एवं प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड राज बाबू, क्षेत्राधिकारी सदर, उप जिलाधिकारी द्वारा राजकीय बाल संप्रेषण गृह (किशोर), पचपेड़िया मार्ग, बस्ती का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रसोईघर का भी निरीक्षण किया गया। रसोईघर की साफ–सफाई दुरूस्त पायी गयी। बच्चों द्वारा बताया गया की उनको समय से उचित आहार मिल जाता है।

निरीक्षण के दौरान अधीक्षक बाल संप्रेषण गृह को निर्देशित किया गया कि वह निरीक्षण के दौरान समिति के निर्देशों का अनुपालन आख्या ससमय प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि समस्त किशोरों का शत–प्रतिशत एडमिशन कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही भी करें, जिससे कि सभी किशोर शिक्षित हो सके। बच्चों की काउन्सलिंग के संबंध में भी अधीक्षक से वार्ता की गयी, तो उनके द्वारा अवगत कराया गया कि बाल संप्रेषण गृह में संवासित पुराने बच्चों की काउन्सलिंग हो चुकी है परन्तु नये बच्चों की काउन्सलिंग की प्रक्रिया चल रही है। बच्चो से भी बातचीत की गयी तथा उनको पढ़ाई एवं खेल–कूद हेतु माननीय जनपद न्यायाधीश, बस्ती द्वारा प्रोत्साहित किया गया।

कैशलेस चिकित्सा योजना में आयुष पद्धतियों को भी शामिल करने के निर्देश

लखनऊ (आरबी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभागों की समीक्षा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का लाभ सीधे आम आदमी को मिलना चाहिए। उन्होंने दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना में आयुष पद्धतियों को भी शामिल करने के निर्देश दिए। कहा कि आयुष्मान योजना के क्लेम दावों का तय समय सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निर्देश दिए कि नेशनल हेल्थ मिशन के तहत कोविड कालखंड में सेवाएं देने वाले स्वास्थ्य कर्मियों का प्राथमिकता के आधार पर यथोचित समायोजन किया जाए।

सीएम योगी ने कहा कि आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथी जैसी पद्धतियों की आईपीडी सेवाओं को भी दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस योजना का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी अस्पतालों में इलाज, जांच, दवाओं और आपात सेवाओं की गुणवत्ता लगातार बेहतर होनी चाहिए। साथ ही मेडिकल कॉलेजों, नर्सिंग संस्थानों और सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को आधुनिक तकनीक, बेहतर मानव संसाधन और प्रभावी प्रबंधन से सशक्त बनाया जाए। उन्होंने मेडिकल संस्थानों में आधुनिक उपकरणों, विशेषज्ञ फैकल्टी और रिसर्च गतिविधियों को बढ़ावा देने को कहा।

उन्होंने कहा कि आशा वर्करों का भुगतान किसी भी स्थिति में लंबित न रहे।

भाईचारा के साथ मनाये बकरीद का त्यौहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आगामी 28 मई से 3 दिन के लिए बकरीद का त्यौहार मनाया जाएगा। इस दिन नमाज अदा करने के बाद कुर्बानी दी जाएगी। जिलाधिकारी श्रीमती कृतिका ज्योत्स्ना तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने लोगों से शांतिपूर्ण वातावरण में भाईचारा के साथ त्यौहार मनाने की अपील किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला शांति समिति की बैठक में दोनों अधिकारियों ने बस्ती जिले की परंपराओं की याद दिलाते हुए लोगों को एक साथ मिलजुल कर त्यौहार मनाने की अपील किया है।

जिलाधिकारी ने कहा सभी उप जिलाधिकारी, एसएचओ, तहसीलदार अपने–अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर ले, सोशल मीडिया पर कोई भी गलत वीडियो प्रसारित न हो, इसका ध्यान रखा जाए। ने पुलिस विभाग, सम्भागीय परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अवैध तरीकों से पशुओं की तस्करी न होने पाये, इसका सघन जांच की जाये। उन्होंने लोगों से अपील किया कि खुले में कुर्बानी ना करें।

बैठक का संचालन सीओ सत्येंद्र भूषण ने किया ने किया। इसमें मुख्य रूप से एएसपी श्याम कान्त, सीएमओ डा. राजीव निगम, उप जिलाधिकारी सदर हिमांशु कुमार, रुधौली मनोज प्रकाश, डीपीआरओ धनश्याम सागर, ईओ नगरपालिका अंगद गुप्ता, क्षेत्राधिकारी स्वर्णिमा सिंह, सरदार जगवीर, वी.के. वर्मा, इमरान अली, जीशान हैदर रिजवी, राजकुमार पाण्डेय, मो. मारूफ खान सहित संभ्रांत नागरिक व अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सी.ई.टी. परीक्षा में 97-90 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर डा. ऋतुराज त्रिपाठी ने बढाया बस्ती का मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के महुआ लखनपुर निवासी अनिल कुमार त्रिपाठी के पुत्र डा० ऋतुराज त्रिपाठी ने एम्स पीजी आई. एन.आई.–सी.ई.टी. जुलाई सत्र की प्रवेश परीक्षा में 97.90 परसेंटाइल अंक प्राप्त कर जनपद का गौरव बढाया है। डा० ऋतुराज त्रिपाठी की प्रारम्भिक शिक्षा सेन्ट बेसिल स्कूल से हुई और नीट में चयन के बाद मोतीलाल नेहरू प्रयागराज मेडिकल कालेज से एमबीबीएस की परीक्षा उत्तीर्ण किया। वे मानव सेवा के लिये चिकित्सा क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं।

डा० ऋतुराज त्रिपाठी ने अपनी सफलता का श्रेय माता डा. कंचन माला त्रिपाठी, पिता अनिल कुमार त्रिपाठी, चाचा अशोक पाण्डेय, शिक्षक सूर्य प्रकाश शुक्ल गुरूजनों और परिजनों को दिया है। उनकी सफलता से क्षेत्र में प्रसन्नता का माहौल है।

पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू को किया नमनःयोगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के 62 वीं पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर कबीर साहित्य सेवा संस्थान की ओर से मंगलवार को अध्यक्ष मो. सामईन फारूकी के संयोजन में कलेक्ट्रेट परिसर के निकट संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ चिकित्सक और साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भारत को दुनिया के सामने प्रतिष्ठित करने के साथ ही हमारी अर्थव्यवस्था, संस्कृति और हमारी मेहनती प्रकृति को सफलता के रास्ते पर बढ़ाया। वे आधुनिक भारत के निर्माता थे। उनके कार्यकाल में देश ने अनेक उपलब्धियां अर्जित कर आधुनिक भारत तक का सफर तय किया। देश को आजाद कराने से लेकर नव निर्माण तक पं. नेहरू का योगदान सदैव याद किया जायेगा।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग', अधिवक्ता श्यामप्रकाश शर्मा, बालकृष्ण चौधरी, ने कहा कि पंडित नेहरू भारत भूमि के अनमोल रत्न थे, जिन्होंने देश की स्वाधीनता से लेकर इसके नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी भारतवासियों के दिल–दिमाग में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की अमिट छाप अंकित है। पंडित नेहरू ने देश के विकास के लिए लोकतंत्र को अपना मूलमंत्र बनाया और भारत को एक मजबूत आधार दिया। नेहरू जी एक विद्वान लेखक, चिंतक और विचारक भी थे, इसकी झलक उनकी किताब 'विश्व इतिहास की झलक' और 'भारत एक खोज' में मिलती है। उनका योगदान युगों तक याद किया जायेगा।

पं. नेहरू को नमन करने वालों में मुख्य रूप से अजय कुमार, दीनबंधु दीनानाथ, नीरज वर्मा, दीपक सिंह प्रेमी, शाद अहमद शाद, डा. वाहिद अली सिद्दकी, गिरीश चन्द्र मिश्र, दीनानाथ यादव, दीपक श्रीवास्तव आदि शामिल रहे।

शुक्ला देवरिया में कथित अवैध चर्च निर्माण को लेकर विवाद, ग्रामीणों में आक्रोश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परशुरामपुर थाना क्षेत्र के शुक्ला देवरिया गांव में कथित रूप से अवैध चर्च निर्माण और धर्मांतरण गतिविधियों की सूचना पर गत सोमवार को तनाव की स्थिति बन गई। मामले की जानकारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोज सिंह पदाधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य पर सवाल उठाए। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोज सिंह को ग्रामीणों ने सूचना दी थी कि गांव में रातों–रात बिना वैध अभिलेखों के चर्च का निर्माण कराया जा रहा है। सूचना मिलने पर वह जिला मंत्री प्रवीण सिंह और जिला संयोजक अजय कनौजिया के साथ मौके पर पहुंचे, जहां निर्माण कार्य चलता मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य कराने वाले लोगों के पास जमीन और निर्माण से संबंधित कोई स्पष्ट दस्तावेज नहीं थे तथा क्षेत्रीय लोग भी उन्हें पहचान नहीं पा रहे थे। मामले की जानकारी तत्काल थाना अध्यक्ष परशुरामपुर को दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य रुकवा दिया। हालांकि, विश्व हिंदू परिषद पदाधिकारियों का आरोप है कि निर्माण कार्य से जुड़े लोगों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

मनोज सिंह ने यह भी दावा किया कि जांच के दौरान कुछ लोगों

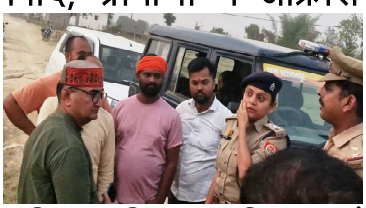

–विश्व हिन्दू परिषद के प्रतिरोध पर रूका निर्माण कार्य

के पुरवा गांव में कथित धर्मांतरण गतिविधियों में शामिल होने की जानकारी मिली। आरोप है कि एक व्यक्ति को धर्मांतरण कराते हुए देखा गया, जो ग्रामीणों और संगठन के कार्यकर्ताओं को देखकर भागने लगा। ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना को लेकर गांव में देर तक तनाव और आक्रोश का माहौल बना रहा। विश्व हिंदू परिषद ने चेतावनी दी कि यदि मामले में सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन जन आंदोलन शुरू करेगा। बढ़ते विवाद को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी स्वर्णिम सिंह ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मामले में यह भी सामने आया कि जिस भूमि पर निर्माण कराया जा रहा था, वह कथित रूप से पट्टे की जमीन बताई जा रही है। ग्रामीणों के पट्टाधारक छबिलाल द्वारा जमीन किसी हरपाल नामक व्यक्ति को बेचे जाने की चर्चा है। फिलहाल प्रशासन जमीन के स्वामित्व, निर्माण की वैधता और कथित धर्मांतरण संबंधी आरोपों की जांच में जुटा है।

वहीं, घटना के दौरान एसडीएम हरैया के मौके पर न पहुंचने को लेकर भी स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। पुलिस का कहना है कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है और तथ्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

भण्डारे के साथ आदर्श नगर पंचायत गनेशपुर कार्यालय का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को आदर्श नगर पंचायत गनेशपुर की अध्यक्ष श्रीमती सोनमती चौधरी ने विधि विधान से श्री हनुमान जी की पूजा और भण्डारे के साथ कार्यालय का उद्घाटन किया। कहा कि नव निर्मित कार्यालय के बन जाने से कार्य में सुविधा रहेगी। चरणबद्ध ढंग से आदर्श नगर पंचायत गनेशपुर में विकास कार्य पूरे कराये जा रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ सभासद और अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय की देख रेख में विकास के जो कार्य कराये जा रहे हैं उससे क्षेत्र के चहुंमुखी विकास को गति मिली है। कहा कि शासन स्तर पर स्वीकृत योजनाओं को पूरा कराकर विकास के नये आयाम विकसित किये गये हैं। गनेशपुर नगर पंचायत के नागरिकों को अब बेहतर सुविधायें प्राप्त हो रही है। कहा कि विकास एक सतत चलने वाली प्रकिया है। जनता को बेहतर सुविधा मिले यह हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिये।

अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने आगन्तुकों का स्वागत करते हुये बताया कि नगर पंचायत में विकास के अनेक कार्य पूर्ण कराये जा रहे हैं और यह क्रम निरन्तर जारी है।

–क्षेत्र का समग्र विकास हमारी प्राथमिकता–सोनमती चौधरी

–विकास के नये आयाम विकसित कर रहा है गनेशपुर–दयाराम चौधरी

आदर्श नगर पंचायत गनेशपुर के नव निर्मित कार्यालय के उद्घाटन और भण्डारा अवसर पर मुख्य रूप से सभासद रेशमा देवी, निर्मला देवी, अंकित कुमार, ब्रम्हाप्रसाद, मो. फरहान, इन्द्रजीत यादव, मो. फारूख, सुमन, गणेश कुमार, शिवनारायन चौधरी, दुर्गेश सोनकर, पूजा, सुनीता देवी, मधु श्रीवास्तव, मो. मुख्तार, दुर्गेश चौबे, प्रकाश निषाद, अरूण सोनकर के साथ ही उमेश तिवारी, अरविन्द श्रीवास्तव, अर्जुन चौधरी, आशीष चौधरी, परशुराम साहनी, राकेश पाण्डेय, पप्पू उपाध्याय, विनोद बाबा, रामभवन वर्मा, राधे चौधरी, डिम्पल यादव, नरेन्द्र चौधरी, अर्जुन यादव, बालमुकुन्द मिश्र, घनश्याम उपाध्याय, कृपाशंकर उपाध्याय, राजन पाण्डेय, अभिषेक चौधरी, राम बहादुर वर्मा, लालचंद चौधरी, प्रभाकर मिश्र, रामदीन उपाध्याय, शिवपूजन मिश्र, केदारनाथ दूबे, गजेन्द्र चौधरी, सैम, मनीष, महेन्द्र, फूलचन्द, दुर्गा प्रसाद चौधरी, मो. आरिफ, रिंकू, विकास, सुरेन्द्र, सोनू सिंह, पृथ्वी सिंह के साथ ही नगर पंचायत गनेशपुर के कर्मचारी और स्थानीय नागरिक, भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नगर पंचायत नगर के तीन वर्ष पूर्ण होने पर मनाया गौरव दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नगर पंचायत नगर के तीन वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर मंगलवार को गौरव दिवस का आयोजन गया। अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने महर्षि वशिष्ठ जी की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन किया। नगर पंचायत कार्यालय पर आयोजित भव्य समारोह में अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने 15 करोड़ रुपए की 79 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास के 312 लाभार्थियों को स्वामित्व प्रमाणपत्र प्रदान कर उत्कृट कार्य करने वाले आधा दर्जन कर्मियों को उपहार देकर सम्मानित किया। श्रीमती कहा कि नगर को देश का मॉडल नगर पंचायत बनाना मेरा दृढ़ संकल्प है। कहा कि सभी पंद्रह वार्डों में भेदभाव रहित गुणवत्तापूर्ण विकास कार्य संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जरूरतमंदों के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष विवेकाधीन कोष,साप्ताहिक जनता दर्शन, जन शिकायतों के लिए टोल फ्री नंबर,प्रत्येक माह स्वच्छता अभियान, मासिक योग दिवस, हर माह एक वार्ड में वृद्ध जन सम्मान समारोह, 60 वर्ष से अधिक आयु के

-15 करोड़ रुपए की 79 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

-नगर को देश का माडल नगर पंचायत बनाना दृढ़ संकल्प नीलम सिंह राना

नागरिकों के लिए श्री राम धाम निःशुल्क यात्रा, निःशुल्क शव वाहन की सुविधा, रिक्शा ठेला चालकों के लिए श्रमदीर सम्मान योजना, गरीब मृतक परिवारों के सहयोग हेतु संस्कार सहभागिता योजना, डॉ एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति मेधावी विद्यार्थी सम्मान योजना, धार्मिक स्थलों के लिए धर्म ज्योति योजना, खिलाड़ियों और कलाकारों को अवसर प्रदान करने के लिए नगर महोत्सव एवं अमर शहीद मेला जैसा कार्यक्रम संचालित करने वाला नगर देश की पहली नगर पंचायत बन गई है। उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि अमर बलिदानी राजा उदय प्रताप नारायण सिंह एवं स्वाधीनता सेनानी सरजू भगत निषाद लो पावन भूमि की सेवा करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी जी के विकसित संकल्प भारत यात्रा में सहभागी बनने के लिए नगर को विकसित नगर पंचायत बनाने का सुझाव दिया। अधिशासी अधिकारी श्रृष्टि सिंह ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाएं तथा कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए आभार जताया। इस अवसर पर सभासद राजेश पाण्डेय, सत्यराम निषाद, अखिलेश यादव, प्रदीप निषाद, मेजर चंद्र शेखर शुक्ल, अनिल श्रीवास्तव, श्रुति अग्रहरि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सभासद, नगर पंचायत के अधिकारी और कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत मरहा की मानवीय पहल, स्थापित होगा कपड़ा बैंक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में सामाजिक सरोकारों और मानवीय संवेदनाओं को नई दिशा देते हुए बस्ती सदर विकासखंड के ग्राम पंचायत मरहा ने एक सराहनीय पहल की है। ग्राम पंचायत द्वारा प्राथमिक विद्यालय, पंचायत सचिवालय वृहत्तर संयुक्त परिसर में 'कपड़ा बैंक' स्थापित करने का महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य गांव के जरूरतमंद परिवारों, बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं असहाय लोगों को स्वच्छ और उपयोगी कपड़े उपलब्ध कराना है। ग्राम पंचायत की इस योजना के तहत गांव के सक्षम एवं जागरूक नागरिक अपने अच्छे लेकिन अनुपयोगी कपड़े कपड़ा बैंक में जमा कर सकेंगे। पंचायत द्वारा इन कपड़ों को व्यवस्थित रूप से जरूरतमंद लोगों तक सम्मानपूर्वक पहुंचाया जाएगा। कपड़ा बैंक में बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों के कपड़ों के साथ–साथ गर्म वस्त्र, कंबल और अन्य उपयोगी सामग्री भी जमा की जा सकेगी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अखिल कुमार यादव ने बताया कि यह पहल केवल वस्त्र

वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सहयोग, सहकारिता और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि गांव में कई ऐसे परिवार हैं जिन्हें समय–समय पर उपयोगी कपड़ों की आवश्यकता होती है। ऐसे में गांव के लोग यदि अपने अतिरिक्त कपड़ों को जरूरतमंदों के साथ साझा करें, तो यह किसी के जीवन में सम्मान और मुस्कान ला सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि कपड़ा बैंक की स्थापना पर्यावरण संरक्षण और रीयूज की भावना को भी बढ़ावा देगी। उपयोगी वस्त्रों का पुनः उपयोग न केवल संसाधनों की बचत करेगा, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करेगा। पंचायत सचिवालय परिसर में कपड़े जमा करने की व्यवस्था की जाएगी, जहां से जरूरतमंद परिवारों तक पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से सामग्री पहुंचाई जाएगी।ग्राम पंचायत मरहा की यह पहल ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक सहभागिता और समावेशी विकास का एक सकारात्मक उदाहरण बनकर उभर रही है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे इस अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 मई 2026 बुधवार

सम्पादकीय

बीमार होते अस्पताल

गाल बजाते राजनेता और लोक कल्याणकारी होने का दावा करती सरकारों की नाक के नीचे सरकारी अस्पतालों की कैसी बदहाली है, ये किसी से नहीं छिपा है। लोकलुभावन कार्यक्रमों पर पैसा पानी की तरह बहाने वाली सरकारों व मंत्रियों की प्राथमिकताओं में, वे सरकारी अस्पताल कभी नहीं रहे हैं, जो गरीबों व साधनविहीन लोगों का अंतिम आश्रय होते हैं। कायदे से तो सरकारों को इस मुद्दे को प्राथमिकता मानते हुए तत्काल प्रभाव से अस्पतालों की दशा सुधारनी चाहिए। लेकिन विडंबना है कि हर बार न्यायालय को ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर सख्ती दिखाकर सरकारों को कार्रवाई करने को कहा जाता है। एक बार फिर पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश से पंजाब तथा हरियाणा सरकारों की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के संचालकों को एक बेहद जरूरी झटका लगा है। हाईकोर्ट ने दोनों राज्यों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक जिला अस्पताल में आईसीयू सुविधाओं के साथ–साथ सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। निश्चित रूप से न्यायालय के इस तरह के सकारात्मक हस्तक्षेप से स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सत्ताधीशों के वायदों और उनके क्रियान्वयन के बीच बढ़घटी खाई ही उजागर होती है। वहीं अदालत की कार्यवाही के दौरान पंजाब सरकार की ओर से न्यायालय को सूचित किया गया कि राज्य के 23 जिलों में से केवल छह जिला अस्पतालों में ही एमआरआई की सुविधा उपलब्ध है। दूसरी ओर राज्य के अस्पतालों में दो हजार से अधिक जनरल मेडिकल ऑफिसरों के पद और अन्य सैकड़ों विशेषज्ञों के पद खाली पड़े हुए हैं। वहीं कई जिलों के सरकारी अस्पतालों में कार्यशील आईसीयू की कमी है। अदालत ने हरियाणा सरकार से भी गहन देखभाल व निदान सुविधाओं की कमियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। निस्संदेह, इन खामियों से फिर उजागर हुआ है कि अनेक सरकारी अस्पतालों में महंगे चिकित्सा उपकरण अक्सर बिना इस्तेमाल के या कम उपयोग में क्यों रहते हैं। वहीं दूसरी ओर विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा भी गरीब व जरूरतमंद मरीजों की तात्कालिक जरूरतों को अनदेखा ही किया जाता है।

न्यायालय की इस बात से बिल्कुल सहमत हुआ जा सकता है कि मौजूदा दौर में सीटी स्कैन,एमआरआई और आईसीयू तक मरीजों की पहुंच विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता बन गई है। जो इस बात पर भी बल देता है कि सरकारें जिला स्तरीय क्रियाशील बुनियादी ढांचा बनाने के बजाय अनिश्चित काल तक आउटसोर्सिंग या रेफरल प्रणालियों पर निर्भर नहीं रह सकती हैं। वास्तव में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली केवल खरीद की कमी से ही नहीं, बल्कि बिना योजना के भारी–भरकम खरीद की प्रवृत्ति से भी ग्रस्त है। वहीं दूसरी ओर अकसर तकनीशियनों की अनुपलब्धता से एमआरआई मशीनें स्थापित नहीं हो पाती हैं। वहीं अनुबंध समाप्त होने के कारण अक्सर वेंटिलेटर धूल खाते रहते हैं। दूसरी तरफ रेडियोलॉजिस्ट और बायोमेडिकल इंजीनियरों की अनुपस्थिति के कारण निदान सेवाओं को आउटसोर्स किया जाता है। बार–बार की गई ऑडिट रिपोर्टों से पता चलता है कि सरकारी अस्पतालों में करोड़ों रुपये के जीवन रक्षक उपकरण महीनों से लेकर वर्षों तक बेकार ही पड़े रहते हैं। जिसका खमियाजा जरूरतमंद मरीजों को उठाना पड़ता है। किसी भी अस्पताल में एक खराब सीटी स्कैनर की वजह से दुर्घटना पीड़ितों, कैंसर के मरीजों और हृदयाघात के रोगियों के उपचार में देरी होती है। दूसरी ओर सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों का हर एक खाली पद कमजोर वर्ग के लोगों को महंगे निजी अस्पतालों में उपचार के लिये धकेल देता है। यह विडंबना ही है कि दूर–दराज के ग्रामीण इलाकों के मरीज अक्सर लंबी दूरी तय करके सरकारी अस्पतालों तक पहुंचते हैं। अक्सर देखा जाता है कि उन्हें या तो मशीनें काम न करने वाली मिलती हैं या चलाने वाले कर्मचारी नहीं मिलते। निर्विवाद रूप से केवल मशीनें लगाने से ही मरीजों की समस्या का समाधान नहीं हो जाता। सही मायनों में सरकारी अस्पतालों में उपकरणों की उपलब्धता के साथ ही डॉक्टरों, तकनीशियनों आदि की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी ही चाहिए। वास्तव में किसी भी स्वास्थ्य सेवा का मूल्यांकन खरीदी गई महंगी मशीनों से नहीं, बल्कि सही समय पर उपचार का लाभ पाने वाले मरीजों की संख्या से होता है।

अपने आंचल में विरासत समेटे है कुवानों

-डा. राधेश्याम द्विवेदी -

कुवानो नदी अपने आप में एक ऐसी रहस्यमयी प्रकृतिक संरचना है ,जिसके तह तक पहुंचने में अभी तक कोई भी सफल नहीं हो सका है। ऐतिहासिक दृष्टि से कुवानो नदी उत्तर कोशल के भूभाग में बहती है। यह घाघरा की एक सहायक नदी है। प्रवाहित नदियों में यह घाघरा के बाद दूसरी प्रमुख नदी है। पूर्वकालीन बहराइच एवं वर्तमान श्रावस्ती जिले के पूर्वी निचले भाग के चिलवरिया नामक स्थल से एक ताल के सोते के रुप में प्रारम्भ होकर बसऊपुर में लगभग 13 किमी तक एक नाले के रुप में बहने वाला यह जल स्रोत बलरामपुर में पहुंचते– पहुंचते नदी का रुप ले लेता है। पश्चिम से पूरब की ओर जैसे–जैसे यह नदी आगे बढ़ती है। इसका फैलाव बढ़ने के साथ ही इसकी गहराई भी बढ़ती जाती है। नदी का प्राचीन नाम सुन्दरिका, कर्दमी, उद्दालिकी और सुवर्णा भी कहा जाता है। स्कन्द पुराण वैष्णव खंड के भूमि वाराह खण्ड में इस नदी को सुवर्ण भूखरी (स्वर्णा) के नाम से जानते हैं। कुंये से निकलने के कारण इसे कूप वाहिनी भी कहते हैं।

इसका उद्गम कोई पहाड़ ना होकर एक सामान्य सा प्राकृतिक नाला है जो नदी के तलहटी के कुओं से जल को ग्रहण कर अपना अस्तित्व बनाये रखती है। तराई के अवशेष के रुप में अब यही एक नदी है जो प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने की एक कड़ी है। यह उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के बसऊपुर गांव के पास से एक जल स्रोत से निकलती है। जो कुंआ के स्रोत जैसा होने के कारण इसे कुंआ से निकलने की बात आम जनमानस में व्याप्त है। अतः इसी कारण इसका नाम कुंआनों पड़ा है । यह पश्चिम से पूरब की तरफ बहती हुई जैसे जैसे आगे बढ़ती है वैसे वैसे इसकी चौड़ाई और गहराई भी बढ़ती जाती है। इस नदी की विचित्रता जमीन के अन्दर से निकलने वाले वे हजारों छोटे–छोटे जलस्रोत हैं, जो नदी के रुप में बहने के लिए इसे जल उपलब्ध कराते हैं। यही कारण है कि चाहे जितना सूखा पडे कुआनो नदी में पानी कभी कम नहीं होता। सौ वर्ष पूर्व अंग्रेजों ने इंग्लैंड से पंप मंगाकर जंगल में लगाया था। जिससे आठ किलोमीटर के दायरे में सिंचाई की जाती थी। आज यह पंप जीर्ण–शीर्ण अवस्था में पहुंच चुके हैं।

बलरामपुर में पहुंचते–पहुंचते यह नदी का रुप ले लेता है। इसकी लंबाई 195 किमी. है। बलरामपुर से निकल कर पूर्व दिशा में जब यह बस्ती जिले में पहुंचती है तो वहां की यह मुख्य नदी हो जाती है। यह संत कबीर नगर में बूढ़ी राप्ती से मिलकर आगे बढ़ती हुई गोरखपुर जिले के दक्षिण ग्रामीण अंचल से होकर शाहपुर के पास मलौली नामक ग्राम के नजदीक घाघरा नदी में समा जाती है।

नदी का पानी कभी बहुत निर्मल और पारदर्शी हुआ करता था। इसके गहरे अंतःकरण में जलीय वनस्पति और जीव जन्तुओ को भी देखा जा सकता है। इसकी स्वच्छता के बारे में लोगों का कहना है कि अगर ऊपर से एक सुई भी गिरा दी जाए तो उसके इसके तल में वह ऊपर से आसानी से देखी जा सकती है। नदी का पानी जितना निर्मल है उतना ही पारदर्शी भी।गहरे तल में स्थित वनस्पतियों को भी ऊपर से ही देखा जा सकता है। यही कारण है कि वन्य जीव भी यहां पाए जाते हैं जैसे–जैसे यह नदी आगे बढ़ती है इसके दोनो ओर घने जंगल दिखाई पड़ते हैं।

कुआनो नदी के इस जंगल के सबसे प्रसिद्ध वन्यजीव फिसिंग कैट(बन बिलाव) है, जो यहां बहुतायत में पाए जाते हैं। फिशिंग कैट का फर भूरे–धूसर रंग का होता है, जिस पर काले धब्बे और धारियाँ होती हैं। माथे से गर्दन तक छह से आठ काली रेखाएँ होती हैं, जो कंधों पर छोटी– छोटी पट्टियों और धब्बों में बँट जाती हैं। गालों पर सफेद निशान और काले धब्बे होते हैं और आँखों के चारों ओर सफेद फर होता है। कान छोटे और गोल होते हैं, और कानों के पीछे का भाग काला होता है। सामने से देखने पर, इनके बीच में एक विशिष्ट सफेद धब्बा दिखाई देता है।

श्रावस्ती जनपद से निकली कुआनो व बिसुही नदी का संगम घघरिया घाट के समीप होता है। यहीं से कुआनों शुरू होता है। यह अपना पाट कभी नहीं बदलती। इसने अपने प्रवाह से भूमि रक्षिका का स्वरूप बनाए रखा है। इसी में विसुही नदी भी आकर समाहित हो जाती है। यह खुरगुपुर गांव से उत्तर गोंडा जनपद की सीमा में प्रवेश से 4 किमी. इसका आकार नदी का हो जाता है।

यह गोण्डा के बीचोबीच होकर भानपुर तहसील की दक्षिण सीमा पर गुलरिहा रसूलपुर से बस्ती मण्डल को प्रवेश करती है। पूरब की दिशा में बढ़ते हुए कुआनो नदी बस्ती जिले की लगभग 130 किमी. की एक प्रमुख नदी बन जाती है।

कुआनो नदी बस्ती जिले के सल्टौवा, बस्ती सदर और बनकटी विकास खण्डों से होकर महुली होते हुए संत कबीर नगर में जाती है। यह बस्ती पूर्व, बस्ती पश्चिम, नगर पश्चिम, नगर पूर्व, महुली पूर्व तथा महुली पश्चिम परगनों को पृथक भी करती है। । नदी अपने मार्ग में बस्ती, संत कबीर नगर और गोरखपुर जिले से होकर बहती है। जो मुखलिसपुर कस्बे के पास बूढ़ी राप्ती में मिलकर घाघरा नदी में समा जाती है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद के मूल निवासी कवि, पत्रकार तथा दिनमान पत्रिका के भूतपूर्व संपादक स्व. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना ने अपने गांव के निकट बहने वाली ''कुआनो नदी का दर्द'' विषय पर कविताओं का एक सिरीज लिखकर उसे जीवंत बना दिया है। नदी के दोनों किनारों पर जामुन, बेंत व महुआ के जंगल पाए जाते हैं। इसका जल जमुना की भांति नीला है व सर्पाकार रुप में यह बहती है।

जैसे–जैसे यह नदी आगे बढ़ती है इसके दोनो ओर घने जंगल दिखाई पड़ते हैं। कंटीले बेंत के जंगलो से गुजरती हुई यह नदी अद्भुत दृश्य पैदा करती है। यह नदी अपने आप में एक रहस्य है, जिसे खुद प्रकृति ने बनाया है और जिस रहस्य तक पहुंचने में कोई अभी तक कामयाब नहीं हुआ है। इसके तट पर साल,सागौन के अतरिक्त दुर्लभ सिरस वृक्ष की प्रजाति भी पाई जाती है। नदी के दोनो ओर झाड़ियों की लम्बी श्रंखला है जो दुर्लभ भी है। कुआनो नदी के कारण जैवविविधता की दृष्टि से यह इलाका काफी समृद्ध है। वनस्पतियों की एक लम्बी प्रजाति यहां पाई जाती है. कुछ दुर्लभ वस्पतियां भी नदी के तल में मौजूद हैं। जल का प्रवाह धीमा होने के कारण तमाम फ्लोटिंग प्लान्ट्स भी इस नदी में पाए जाते हैं।

प्राचीन समय यहां तक कि मुगल काल तक घाघरा व कुवानों आदि नदियां ही आवागमन का प्रमुख साधन हुआ करती थीं। कुवानों नदी से दूर दराज के इलाकों में नाव द्वारा सामान की ढुलाई भी पहले होती थी। रवाई, मनवर तथा कठनइया आदि इसकी अनेक सहायक नदियां हैं।

पुराने समय में सरयू के किनारे बसे लालगंज सहित अन्य क्षेत्रों के लोग इसी नदी के माध्यम से नाव में बैठकर गांव से शहर व शहर से गांव पहुंचते थे। इस नदी में जब प्रवाह था तो यह व्यापार का साधन भी रही। पांच दशक से पहले इसकी चौड़ाई 48 मीटर से अधिक थी और गहराई 80 मीटर से भी ज्यादा। वर्तमान में इसमें काफी कमी आई है। चौड़ाई अब पन्द्रह से बीस मीटर रह गयी है वहीं गहराई दस से बारह मीटर बची है।

कभी यह जलमार्ग के रूप में भी व्यवसायियों के आवागमन का मार्ग थी, मछुआरों की आजीविका का साधन थी , नदी में छोटी–छोटी नाम के साथ दिन–रात मछलियां पकड़ने का काम करते थे, लेकिन प्रदूषण के चलते अब इसमें मछलियां भी नहीं रही।नदी नाले का रूप धारण कर लिया है। अतः अब यहां मछुआरों को रोजी–रोटी जो आराम से चला करती थी , वह बंद हो गई है और वह पलायन करने को मजबूर हो गए हैं।

कुवानों नदी के तट पर कर्दम प्रजापति, महर्षि उद्दालक, ऋषि धौम्य और आरुणि जैसे महान तपस्वियों के आश्रम थे। प्राचीन कुवानों और मनोरमा का संगम मधुपुरी नामक तीर्थ थे जो महुली क्षेत्र के लालगंज कस्बे से 5 किमी दक्षिण स्थित है। (वामन पुराण अध्याय 55 श्लोक 9, चन्द्रबली "बस्ती बसुधा" पृष्ठ 34 पर उद्धृत)। जहाँ महर्षि उद्दालक मुनि की तपोभूमि मौजूद है। महर्षि उद्दालक मुनि की तपोभूमि तट पर भगवान श्रीराम ने माता सीता और लक्ष्मण के साथ चौत्र पूर्णिमा के दिन स्नान करने के बाद पूजन अर्चन किया था। उसके बाद लिट्टी चोखा बनाकर सभी लोगों ने खाया था। यहां पर लगभग 5 दिनों तक मेले का आयोजन होता है। भगवान श्रीराम के जन्म त्रेता युग के पहले का यह मंदिर है। यह तीन नदियों का संगम है। उस समय पृथ्वी स्वर्ग के समान हो गयी थी।आकाश में उजाले थे और जब तक भगवान वहां मौजूद थे तब तक चारों तरफ भक्ति का माहौल था। वैदिक काल में इन नदियों का नाम उदालली गंगा और मनसा देवी था। इस पवित्र संगम में स्नान करने से मनुष्य के सभी दैहिक, दैविक और भौतिक पाप नष्ट हो जाते हैं। भगवान श्रीराम अपनी पत्नी सीता के साथ जब लंका से रावण का वध कर लौटे थे तो बस्ती के लालगंज थाना क्षेत्र स्थित मनोरमा कुआनो संगम तट पर भगवान श्रीराम और माता सीता सहित अन्य देवताओं ने लिट्टी–चोखा खाया था। तब से यहां पर भारी संख्या मे मेले का आयोजन होता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के डा. डी. कं. श्रीवास्तव तथा एस के चौधरी ने कुवानें के तटीय 33 साइटों का परीक्षण किया है जिनमें सात अति प्राचीन का विषद विश्लेषण प्रस्तुत किया है। ये स्थल हैं बड़ागांव, बराण्डा बांदा, चमरहुआ घाट, सिसवनिया देवरांव , गहिरवारे , कोडरा तथा शकरौला आदि है। यदि इनका विषद उत्खनन कराया जाय तो संतकबीर नगर के लहुरादेवा तथा गोरखपुर के धुरियापार व इमिलिया खुर्द जैसी महत्वपूर्ण जानकारिया व प्रमाण यहां मिल सकते हैं। हरैया तहसील का खिरनीपुर घनघटा संत कबीर नगर का मुण्डियारी बस्ती तहसील का ओरई , सुसीपार उत्तर व दक्षिण, ठोकवा, ताड़ी पचीसा,सिद्धोनी घाट,सिलहरा, गेरार या गेदार आदि भी पुरातात्विक स्थल कुवानें की शान्त व स्थिर चरित के कारण ही बच पाये हैं। वस्ती तहसील का चमरहुआ घाट कुवानों के तट पर स्थित है जहां पूर्ववर्ती उत्तरी काले चमकीले पात्र धूसर पात्र काले ओपदार पात्र काले व लाल पात्र तथा लाल पात्र परम्परायें यहां पायी गयी है। यहां ईंट के रोड़े भी पाये गये है।

भारत–ओमान समुद्री पाइपलाइन की पहल

—प्रमोद जोशी—

मिडिल–ईस्ट–इंडिया डीप–वाटर पाइपलाइन अरब सागर के नीचे लगभग 2,000 किलोमीटर तक लंबी होगी, जो ओमान को भारत के गुजरात तट से जोड़ेगी। इस परियोजना से भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर से गैस आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। होर्मुज जलसंधि का रास्ता बंद होने और भारत में ऊर्जा–संकट के बादल गहराने से जुड़ी खबरों के बीच एक खबर को ज्यादा सुर्खियां नहीं मिल पाईं कि भारत, गहरे समुद्र में एक गैस पाइपलाइन परियोजना पर विचार कर रहा है, जो हमें ओमान से जोड़ेगी। भारत सरकार ने अब इस पर तेजी से काम करना शुरू किया है।

हाल में कुछ मीडिया स्रोतों ने पेट्रोलियम मंत्रालय के एक अधिकारियों को उद्धृत करते हुए खबर दी है कि मंजूरी मिली, तो करीब 4.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाली परियोजना खाड़ी क्षेत्र से निर्बाध गैस आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। परियोजना को समय से हरी झंडी मिली, तब भी इसे पूरा होने में पांच से सात साल लगेंगे। उसके पहले इसके सभी आर्थिक और तकनीकी पहलुओं पर विचार करना भी जरूरी होगा।

सौ साल से ज्यादा समय से इसकी परिकल्पना चल रही है। इस पर यूपीए सरकार के दौर में भी बात चली थी। ओमान की वेबसाइट 'मस्कट डेली' की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत सरकार नई दिल्ली स्थित निजी क्षेत्र के कंसोर्शियम साउथ एशिया गैस एंटरप्राइज (सेज) द्वारा प्रस्तुत पूर्व–व्यवहार्यता अध्ययन पर विचार कर रही है, जो समुद्र तल की स्थितियों का अध्ययन करने के लिए 'टेस्ट–सेक्शन' बिछा रहा है।

'सेज' ने प्रस्तावित मार्ग पर लगभग 3,000 मीटर परीक्षण पाइपलाइन बिछाकर प्रारंभिक चरण का तकनीकी सत्यापन कर लिया है, जिस पर लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत आई है। यह पाइपलाइन इंजीनियरों के लिए चुनौती भी होगी, क्योंकि कुछ जगहों पर यह करीब साढ़े तीन किलोमीटर तक की गहराई पर बिछानी पड़ेगी, जो अब तक समुद्र के नीचे बिछाई गई दुनिया की किसी भी पाइपलाइन की तुलना में चार गुना अधिक गहरी होगी।

इस अध्ययन का उद्देश्य समुद्र तल की स्थितियों का आकलन करना और इंजीनियरिंग संभावनाओं की पुष्टि करना है। संभावना है कि भारत का पेट्रोलियम मंत्रालय, सरकारी कंपनियों गेल, इंडीनियर्स इंडिया और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश देगा। रिपोर्ट सकारात्मक हुई, तो ओमान के साथ गैस आपूर्ति, वित्तपोषण और परियोजना कार्यान्वयन पर औपचारिक बातचीत का रास्ता खुलेगा।

पश्चिम एशिया से भारत तक समर्पित पाइपलाइन बनी, तो हम किसी ट्राजिट देश या समुद्री अवरोध ा बिंदु पर निर्भर नहीं रहेंगे और किफायती लागत पर गैस की आपूर्ति लगातार जारी रहेगी। मिडिल–ईस्ट–इंडिया डीप–वाटर पाइपलाइन (एमईआईडीपी) अरब सागर के नीचे लगभग 2,000 किलोमीटर तक लंबी होगी, जो ओमान को भारत के गुजरात तट से जोड़ेगी। इस परियोजना से भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर से गैस आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

वर्ष 2025 में भारत के एलएनजी आयात का लगभग दो–तिहाई हिस्सा होर्मुज जलसंधि से होकर गुजरा था। इस साल फरवरी के अंत में होर्मुज संकट शुरू होने के बाद, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जिससे कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई। इस गिरावट के कारण भारत के उर्वरक संयंत्रों, बिजलीघरों और उद्योगों की आपूर्ति में अचानक लगे झटकों ने चिंता पैदा की है। खनिज तेल की ऊंची कीमतों ने आयात लागत को पहले ही बढ़ा दिया है।

इस पृष्ठभूमि में टैंकरों पर निर्भरता को कम करने और प्राकृतिक गैस का स्थिर प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए दशकों पुरानी इस परियोजना को पुनर्जीवित किया जा सकता है। इस परियोजना से प्रतिदिन लगभग 31 मिलियन मानक घन मीटर (एमएमएससीएमडी) प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होने की उम्मीद है। वर्तमान राष्ट्रीय गैस खपत लगभग 190 से 195 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन है, जो औद्योगिक और शहरी गैस नेटवर्क के विस्तार और उर्वरक क्षेत्र की मांग में वृद्धि पर भी निर्भर है। 2030 तक, यह मांग 290 से 300 मिलियन वर्ग मीटर प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है।

भारत को खाड़ी देशों से जोड़ने वाली समुद्री पाइपलाइन की अवधारणा नई नहीं है। 1990 के दशक से इस प्रस्ताव के विभिन्न रूप समय–समय पर सामने आते रहे हैं, लेकिन द्विपक्षीय वार्ता की जटिलता, वित्तपोषण की अनिश्चितता और अपर्याप्त राजनीतिक उत्साह के कारण वे ठंडे बस्ते में चले गए। बहरहाल इसबार की पहल तीन कारणों से उत्साहवर्धक है। एक, समुद्र में पाइपबिछाने की तकनीक में काफी प्रगति हुई है। पर्याप्त भू–राजनीतिक झटकों की वजह से राजनीतिक इच्छाशक्ति पैदा हो गई है, और तीसरे, सरकारी संस्थाओं को काम के औपचारिक निर्देश मिले हैं। यह परियोजना अब केवल सैद्धांतिक मनोकामना नहीं है, बल्कि सक्रिय इंजीनियरिंग और डिप्लोमैटिक प्रयास है।

इस पाइपलाइन की संरचना से भारत को ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ईरान, तुर्कमेनिस्तान और कतर से प्राकृतिक गैस प्राप्त करने का अवसर मिल सकता है। इन देशों के पास सामूहिक रूप से लगभग 2,500 ट्रिलियन घन फुट प्राकृतिक गैस का भंडार है। कतर के पास लगभग 868 ट्रिलियन घन फुट और ईरान के पास लगभग 1,649 ट्रिलियन घन फुट का भंडार है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा की तुलना चीन से करें, तो पाएंगे कि चीन ने अपनी भौगोलिक स्थिति का लाभ समय रहते उठा लिया है। भारत, जहां लगभग पूरी तरह से समुद्री पोतों से आने वाली एलएनजी पर निर्भर है, वहीं चीन ने व्यवस्थित रूप से भूमि और क्षेत्रीय पाइपलाइन गलियारों का एक नेटवर्क बना लिया है। इसके कारण वह होर्मुज पाइपलाइन के व्यवधान से काफी हद तक सुरक्षित हो गया है।

अमेरिका–ईरान युद्ध और महगाई

—डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा—

ईधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका–ईरान युद्ध ना होकर अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण हार्मुज संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है इससे आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

भले ही 1970 के तेल संकट जैसे हालात होने की संभावना ना हो या 2008 जैसी वित्तीय मंदी के हालात ना हो फिर भी एक बात साफ है कि अमेरिका–ईरान के बीच करीब तीन माह से चल रहे युद्ध के नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। चाहे एशिया के देश हो या फिर योरोपीय देश सभी केवल वैश्विक तनाव ही नहीं अपितु ईधन आपूर्ति प्रभावित होने से बढ़ते दामों को रोकने में विफल ही हो रहे हैं। पिछले दस–पन्द्रह दिनों में ही हमारे देश में पेट्रोल– एलपीजी–सीएनजी–पीएनजी के दामों में एक बार नहीं अपितु तीन बार बढ़ोतरी हो चुकी है। हांलाकि वर्तमान हालातों में सरकार को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। विपक्ष चाहे लाख आरोप लगाये या आंदोलन–प्रदर्शन करें पर अंतरराष्ट्रीय हालातों से आंख नहीं मूंदनी चाहिए। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आमजन से आग्रह को भी इसी संदर्भ में सकारात्मकता से लिया जाना चाहिए। वैसे भी जब संकट का दौर हो और उस संकट के लिए हम या हमारी सरकार जिम्मेदार नहीं हो तो फिर देश में नकारात्मक माहौल बनाने के स्थान पर सकारात्मक माहौल बनाया जाना चाहिए। यह किसी एक व्यक्ति या किसी एक दल का नहीं अपितु सभी राजनीतिक दलों का दायित्व हो जाता है। अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हुई है। ईधन संकट का बड़ा कारण अमेरिका–ईरान युद्ध ना होकर अमेरिका–ईरान युद्ध के कारण हार्मुज संकट बन गया है। हार्मुज के रास्ते से ही कच्चे तेल की आपूर्ति होती है और तनाव के चलते हार्मुज जनडमरुमध्य रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया है इससे आपूर्ति प्रभावित हो रही है। यह तो वैकल्पिक उर्जा के रूप में देश में सोलर, विण्ड एनर्जी के क्षेत्र में पिछले सालों में योजनाबद्ध तरीके से तेजी से और बेहतर काम हुआ है और इसी का परिणाम है कि आज प्रधानमंत्री इलेक्ट्रोनिक वाहनों के उपयोग या सोलर एनर्जी के उपयोग पर खुले तौर पर आग्रह करने की स्थिति में है। नवीकरणीय उर्जा के क्षेत्र में देश में तेजी से काम हुआ है और हो रहा है जो एक हद तक संकट को कम करने में सहायक बन रहा है।

आज की दुनिया आइसोलेट दुनिया नहीं है। एक देश की दूसरे देश पर निर्भरता बढ़ी है। कहीं से ईंधन के लिए तो कहीं से खाद्यान्न, कहीं दवा, कहीं अन्य किसी वस्तु के लिए निर्भरता बढ़ी है। युद्ध के चलते इंटरनेशनल लोजिस्टिक सेवाएं प्रभावित हुई है। जहां तक देश की ही बात की जाएं तो पेट्रोल, डीजल, एलपीजी आदि के कीमत में बढ़ोतरी का व्यापक प्रभाव पड़ने लगा है। सीधी सी बात है जब आवागमन महंगा होगा चाहे वह आम आदमी, सार्वजनिक क्षेत्र या लोजिस्टिक का हो तो उसका सीधा सीधा वस्तुओं और सेवाओं पर पड़ेगा ही। यही कारण है ईंधन यानी तेल के भावों में बढ़ोतरी के साथ ही वस्तुओं और सेवाओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। इसके साथ ही आयात पर निर्भर वस्तुओं के भाव प्रभावित होने लगे हैं। जहां तक तेल का प्रश्न है देश में खाद्य तेल और अखाद्य तेल दोनों ही प्रभावित हो रहे हैं।

आंधी में उखड़कर छप्पर पर गिरा आम का पेड़, नीचे दबकर महिला की मौत

संवाददाता–गोण्डा। सोमवार रात आई तेज आंधी एक परिवार पर कहर बनकर टूटी। यहां छप्पर पर आम का पेड़ गिर गया। उसके नीचे दबकर 70 वर्षीय कौता देवी की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में रोना बिलखना शुरू हो गया। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। घटना वजीरगंज क्षेत्र के खीरीडीह गांव के मजरे गौराडीहा की है। बताया गया कि द्वारिका प्रसाद की पत्नी कौता देवी घर में छप्पर के नीचे सो रही थीं। इसी दौरान तेज आंधी चलनी शुरू हो गई। आंधी के चलते पास खड़ा आम का पेड़ अचानक छप्पर पर गिर गया। इससे कौता उसके नीचे दब गईं। परिजनों के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर जुटे। काफी मशक्कत के बाद पेड़ को काटकर हटाया गया। इसके बाद महिला को बाहर निकाला गया। लेकिन, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पति द्वारिका प्रसाद ने बताया कि उनका बेटा सुरेश गुप्ता रोजी–रोटी कमाने के लिए आंध्र प्रदेश के हैदराबाद में रहता है। बहू और दो पोते फूस के घर में रहते हैं, जबकि वह पत्नी के साथ छप्पर में सो रहे थे। आंधी आने पर वह बहू और पोतों का हालचाल लेने गए थे। तभी अचानक पेड़ गिर गया और उनकी पत्नी उसकी चपेट में आ गईं। थानाध्यक्ष विपुल पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

23 दिन बाद कब्र से शव निकाला गया भाई ने जताई थी हत्या की आशंका

संवाददाता–बलरामपुर। हर्रैया थाना क्षेत्र के लखनीपुर ६ नगढ़वा गांव में मंगलवार को 23 दिन पहले दफनाए गए एक युवक का शव मजिस्ट्रेट की निगरानी में कब्र से बाहर निकाला गया। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस की मौजूदगी में शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अब सभी की नजर पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर है, जिससे मौत की असली वजह सामने आने की उम्मीद है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी 21 वर्षीय सुनील कुमार की 3 मई को इलाज के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों ने उस समय शव को दफना दिया था। हालांकि, बाद में मृतक के भाई लवकुश पासवान को सुनील की मौत पर संदेह हुआ। उन्होंने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र देकर भाई की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई और पोस्टमार्टम की मांग की।

परिजनों ने बताया कि 29 अप्रैल को सुनील कुमार एक मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने गया था। इसी दौरान बरदौलिया के पास सड़क दुर्घटना में उसके घायल होने की सूचना मिली। उसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां गंभीर हालत के कारण लखनऊ के एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। 3 मई को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले में नया मोड़ तब आया जब परिवार ने दुर्घटना की कहानी पर सवाल उठाए और मौत के पीछे किसी साजिश की आशंका जताई। शिकायत मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आया और मंगलवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कब्र खुदवाकर शव को बाहर निकाला गया।

गांव में पूरे दिन इस घटना को लेकर चर्चाएं होती रहीं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस फिलहाल मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

सरयू में डूबे दूसरे किशोर अमन का शव पांचवे दिन मिला

संवाददाता–देवरिया। नगर के मोहन सेतु के निकट शुक्रवार को स्नान के दौरान सरयू में डूबे किशोर अमन राजभर का शव मंगलवार को नदी में मिला। पुलिस ने नदी के दक्षिणी छोर पर स्थित बिंद टोला के निकट शव बरामद किया। किशोर की मां संगीता ने उसकी पहचान की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नगर निवासी अमन राजभर 12 पुत्र स्व बबलू राजभर. अर्पित राजभर 11 पुत्र पवन राजभर तथा सुधीर राजभर 14 पुत्र शोभनाथ राजभर शुक्रवार सरयू नदी में नहाने चले गये। नदी की गहराई अधिक होने के कारण तीनों नदी में डूबने लगे। मौजूद लोगों ने सुधीर को तो बचा लिया लेकिन अमन और अर्पित दोनों नदी में डूब गये। प्रशासन ने शव की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुला लिया। काफी मशक्त के बाद अगले दिन शनिवार की शाम को पैना के निकट अर्पित का शव नदी किनारे से बरामद किया। अमन के शव की तलाश लगातार एसडीआरएफ की टीम करती रही थी। पाँच दिन बाद अमन का शव नदी उस पार बिंद टोला गांव के सामने नदी किनारे पुलिस को मिला। शव मिलने के बाद परिजनों का रोते रोते बुरा हाल है। थानाध्यक्ष विशाल उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार की सुबह अमन का शव मिला है। उसकी मां संगीत ने पहचान किया।

योग से मजबूत होता है संगठनात्मक अनुशासन –पंकज

संवाददाता–महराजगंज। भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मंगलवार सुबह प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं के साथ योगाभ्यास कर दिन की शुरुआत की। योग सत्र के दौरान पंकज चौधरी ने कहा कि योग केवल व्यक्ति को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह संगठनात्मक जीवन में अनुशासन, संयम और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार करता है। उन्होंने कहा कि योग से कार्यकर्ताओं में मानसिक एकाग्रता, धैर्य और टीम भावना विकसित होती है। इससे संगठन और अधिक मजबूत बनता है। उन्होंने कहा कि जब कार्यकर्ता शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं तो वे समाज और राष्ट्रसेवा के कार्यों को अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ कर पाते हैं।

योग आपसी समन्वय, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का संगठन विचार, अनुशासन और कार्यकर्ता आधारित व्यवस्था पर चलता है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों और योग जैसे सामूहिक आयोजनों से कार्यकर्ताओं के बीच आत्मीयता बढ़ती है तथा संगठनात्मक मजबूती को नई दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि महराजगंज के कर्जावान कार्यकर्ताओं के साथ योग का अनुभव अत्यंत प्रेरणादायी रहा और इससे संगठन में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

संयुक्त जिला चिकित्सालय में आठ समितियां गठित, स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्ता सुधारने के लिए लिया गया निर्णय

संवाददाता–बलरामपुर। संयुक्त जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवा और गुणवत्ता में सुधार के लिए आठ नई समितियों का गठन किया गया है। इन समितियों के सदस्यों को नियमित बैठकें कर स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। अटल बिहारी वाजपेयी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) के अधीन संचालित इस अस्पताल में पूर्व की सभी समितियों को भंग कर ये आठ नई समितियां बनाई गई हैं। इनमें नवजात मृत्यु समिति, मातृ मृत्यु समीक्षा समिति, आपदा प्रबंधन समिति, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति, गुणवत्ता सुधार समिति, दवा चिकित्सकीय समिति, लैंगिक शोषण समिति और वित्तीय जांच समिति शामिल हैं। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रो. राजेश कुमार चतुर्वेदी ने अस्पताल समागार में समिति के सदस्यों के साथ बैठक कर उन्हें उनकी जिम्मेदारियां सौंपीं। प्राचार्य ने बताया कि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि मुफ्त इलाज के लिए किसी भी मरीज को बेवजह परेशान न होना पड़े, यह सुनिश्चित करना समिति के सदस्यों की जिम्मेदारी होगी। बैठक में सीएमएस डॉ. राजकुमार वर्मा, नेत्र सर्जन डॉ. सुनील कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मेधावी सिंह, पैथोलॉजिस्ट डॉ. आकांक्षा शुक्ला, गुणवत्ता प्रबंधक डॉ. रुचि पांडेय और फार्मासिस्ट राकेश वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे। मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रचार–प्रसार के लिए सीएमएस डॉ. राजकुमार वर्मा को नया मीडिया प्रभारी बनाया गया है।इससे पहले यह जिम्मेदारी गुणवत्ता प्रबंधक डॉ. रुचि पांडेय संभाल रही थीं। उनकी व्यस्तता के कारण सीएमएस को यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्राचार्य डॉ. प्रो. राजेश कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूक करना आवश्यक है, और अब मीडिया प्रबंधन का कार्य सीएमएस देखेंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के सिरसिया थाना क्षेत्र के बड़रहवा गांव में एक विवाहिता का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके ससुराल में मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला और संदिग्ध हो गया है। मृतका के मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि विवाहिता को मारपीट कर फांसी के फंदे पर लटकाया गया है। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी कथित तौर पर सामने आया है। पुलिस ने मृतका के पिता की तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की पुलिस बात कह रही है।

मृतका की पहचान 24 वर्षीय रुबिया बेगम के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, उसकी शादी लगभग चार वर्ष पहले हुई थी और उसकी कोई संतान नहीं थी। मृतका का पति फरमान मुंबई में मजदूरी करता है, लेकिन घटना के समय वह घर पर ही मौजूद था। जो सामने आए वीडियो में भी दिखाई दे रहा।

क्षेत्राधिकारी मिनगा भरत पासवान ने बताया कि सिरसिया थाने को बड़रहवा गांव में विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे फांसी पर लटकाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

जांच के दौरान फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। गांव में फिलहाल शांति व्यवस्था कायम है।

भाजपा का प्रशिक्षण अभियान पूरा हुआः पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने किया संबोधित, दो दिनों तक चला कार्यक्रम

संवाददाता–महराजगंज। चेहरी स्थित आईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज में भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान का समापन हुआ। 26 मई को आयोजित समापन सत्र को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं देवरिया के पूर्व सांसद डॉ. रमापति राम त्रिपाठी ने संबोधित किया। डॉ. त्रिपाठी ने ध्वेश के समक्ष चुनौतियां और नैरेटिव्क विषय पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक शक्ति के रूप में तेजी से उभर रहा है, लेकिन इसे वैचारिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कुछ शक्तियों द्वारा देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे समाज के बीच जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रहित में किए जा रहे कार्यों को सही तथ्यों के साथ जनता तक पहुंचाएं। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व मंच पर मजबूत पहचान बना रहा है और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से सोशल मीडिया और जनसंपर्क के माध्यम से विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम और भ्रामक नैरेटिव का तथ्यात्मक जवाब देने का आग्रह किया। उन्होंने जोर दिया कि भाजपा का मूल उद्देश्य श्रेष्ट प्रथमश की भावना के साथ अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है।

इस प्रशिक्षण अभियान में कुल 11 सत्र आयोजित किए गए। तृतीय सत्र में संतराज यादव ने विचारक अधिष्ठान विषय पर अपने विचार रखे। चतुर्थ सत्र में क्षेत्रीय महामंत्री सुनील गुप्ता ने बूथ प्रबंधन, मन की बात और स्थायी कार्यक्रम पर व्याख्यान दिया। पंचम सत्र में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने कार्य पद्धति विषय पर प्रकाश डाला, जबकि षष्ठम सत्र में प्रदेश प्रवक्ता डॉ. समीर सिंह ने कार्य विस्तार एवं चुनाव प्रबंधन पर अपने विचार व्यक्त किए। सप्तम सत्र में पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक रमेश सिंह ने भाजपा का इतिहास और विकासरू पर बात की। अष्टम सत्र में क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी डॉ. नवीन पांडे और अनादि प्रिय पाठक ने मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया तथा एआई पर जानकारी दी। नवम सत्र में राजेंद्र नाथ तिवारी ने विचार परिवार और दशम सत्र में विनोद यादव ने व्यावहारिक सत्र पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन सत्र की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने की। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों में कार्यकर्ताओं ने जिले में कमल खिलाने का कार्य किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं के बल पर देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार होने की बात कही।

थाने के बाहर जमीनी विवाद में दो गुट भिड़े पुलिस ने दोनों पक्षों को हिरासत में लिया

संवाददाता–गोण्डा। जिले के कटरा बाजार थाना गेट के ठीक बगल मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब जमीनी विवाद को लेकर सुलह के लिए आए दो गुट आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिससे मौके पर अफरातफरी मच गई। मारपीट होते देख थाने के अंदर मौजूद पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने झगड़ रहे दोनों गुटों के लोगों को पकड़कर थाने ले गई और पूछताछ शुरू कर दी। कटरा बाजार थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि असरना गांव निवासी राम सभा और संदीप अपने समर्थकों के साथ जमीनी विवाद को सुलझाने के लिए थाने आए थे। सुलह वार्ता के बजाय दोनों पक्ष थाना गेट के बगल स्थित बाउंड्री वॉल के पास इकट्ठा हो गए।

शुरुआत में दोनों के बीच बातचीत हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला बिगड़ गया। पहले गाली–गलौज हुई और फिर दोनों गुटों के लोग आपस में भिड़ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बीच–बचाव करने पहुंचे लोगों के साथ भी धक्का–मुक्की की गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कटरा बाजार थाना पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं। कटरा बाजार थाने के अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक मनोज त्रिपाठी ने बताया कि दोनों गुट जमीनी विवाद को लेकर सुलह के लिए थाने आ रहे थे, लेकिन थाने पहुंचने से पहले ही गेट के पास मारपीट करने लगे। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सांसद ने पैसेंजर ट्रेन को दिखाई हरी झंडी, कोरोना काल के बाद सेवा फिर शुरू, डीजल–पेट्रोल दाम पर विपक्ष को घेरा

संवाददाता–गोण्डा। विदेश राज्यमंत्री एवं गोंडा से भाजपा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह ने मंगलवार को गोंडा जिला मुख्यालय से गोंडादूलखनऊद्ध गोरखपुर पैसेंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। यह ट्रेन कोरोना काल के दौरान यात्रियों की संख्या कम होने के कारण बंद कर दी गई थी। सांसद द्वारा रेल मंत्री को लिखे गए पत्र के बाद इसके पुनः संचालन की अनुमति दी गई, जिसके बाद आज से यह सेवा फिर से शुरू हो गई। इस मौके पर गोंडा सदर भाजपा विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने गोंडा कचहरी रेलवे स्टेशन तक यात्रियों के साथ ट्रेन में यात्रा भी की। कार्यक्रम के दौरान विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने डीजल–पेट्रोल के बढ़ते दामों को लेकर राज्यसभा सांसद संजय सिंह द्वारा उठाए गए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विपक्ष की सोच 'सिलेक्टिव' हो गई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल नकारात्मक मुद्दों को उठाता है और सकारात्मक कार्यों को नजरअंदाज करता है। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भारत की प्राथमिकता 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि देश अपनी जरूरत और हित के अनुसार सस्ता तेल खरीदता रहेगा, चाहे वह रूस हो या ईरान। राहुल गांधी द्वारा पीएम मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने इसे 'फ्रस्ट्रेशन' बताते हुए कहा कि विपक्ष हताश है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा का जनाधार देशभर में तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनता अब दलगत राजनीति और नकारात्मक मुद्दों से आगे बढ़ रही है। राष्ट्रीय मुद्दों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है। वर्तमान में राष्ट्रीय पशु बाघ और राष्ट्रीय पक्षी मोर है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास और जनता की भलाई है तथा रेल सेवाओं के विस्तार से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

गाड़ी बाहर छोड़कर पैदल ही बैतालपुर पीएचसी पहुंचे डीएम, बीडीओ कार्यालय की भी की औचक जांच

संवाददाता–देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने मंगलवार को बैतालपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं खंड विकास अधिकारी कार्यालय बैतालपुर का औचक निरीक्षण किया। वह अपना वाहन बाहर छोड़कर पैदल ही केंद्र पर पहुंच गए। उन्होंने उपस्थिति पंजिका, साफ–सफाई, दवा उपलब्धता एवं कार्यालयीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया। जिलाधिकारी सुबह 9रू15 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बैतालपुर पहुंचे और वहां स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करते हुए सभी कर्मचारियों को समय से उपस्थित रहने का निर्देश दिया। उन्होंने ओपीडी, प्रसव केंद्र, दवा वितरण कक्ष एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि मरीजों का उपचार समुचित एवं सुचारु रूप से होना सुनिश्चित किया जाए। अस्पताल में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता हर हाल में बनी रहनी चाहिए तथा किसी भी मरीज को इलाज व दवा के लिए परेशान न होना पड़े।इसके बाद 10 बजे जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी कार्यालय बैतालपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय की उपस्थिति पंजिका एवं अभिलेखों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय से कार्यालय में उपस्थित रहकर जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि शासन की विकास योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

भू–माफियाओं ने पति को मारा पीटाः पीड़िता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के सरायघाट उर्फ लालगंज में जमीनी विवाद को लेकर घर में घुसकर मारपीट का मामला सामने आया है। मंगलवार को निशा देवी पुत्री सूर्यलाल ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने परिवार के जान माल की रक्षा और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है। एसपी को दिये पत्र में निशा देवी ने कहा है कि वह चार बहने है। वह अपने पिता की सबसे छोटी संतान है । वह अपने माता विधाता देवी तथा पिता सूर्यलाल के साथ लालगंज में रहते हुए अपने माता पिता की सेवा कर रही है उक्त जमीन जायदाद रामधनी का था जो उसको दिये थे। इसी दौरान उनकी माता के नाम दर्ज जमीन कुछ लोग कब्जा करने लगें। तब उसके पिता भी सूर्यलाल ने संजीत पुत्र रामपलट विश्वकर्मा साकिन जिगिना देवा थाना लालगंज जिला बस्ती से मदद मांगने लगे। मदद के नाम पर संजीत ने उसके पिता सूर्यलाल को अपने मुट्ठी में कर लिये और खेत व्यापार का मैनेजमेन्ट शुरू कर दिया । संजीत ने उसे और परिवार को लालगंज से मारपीट कर निकालने का प्रयास शुरू कर दिये । उसकी सगी मां के नाम जो भी खेत जमीन लालगंज बाजार में थी उनकी कीमत लगभग पांच करोड है जिसको संजीत और संदीप व अरुण और अजय वर्मा तथा चार पांच अन्य गोल बनाकर अपहरण करके एक ही दिन में बैनामा करा लिए। विधात्ता देवी को एक ही दिन में सात बैनामा लिखने की कोई आवश्यकता नहीं थी। कोई रूपया नहीं दिया गया है। संजीत और अरूण आदि भूमाफिया है । उन लोगों ने गत 25 मई को उसे घर में घुस कर मारा–पीटा । उसके पिति के सीने पर अभी भी नीला निशान है जमीन जायदाद बेचने की कोई वजह होती है। उसके माता पिता 80 –82 साल के है और उनका अपहरण करके उन्हें कही जबरिया रोक रखा गया है। उक्त लोग लालगंज बाजार स्थित उसके के घर का सारा सामान सोना चांदी रूपया पैसा लाकर तोडकर उठा ले गये। कापी किताब कास्मेटिक की दुकान का सामान भी उसे भी उठा ले गये । उसने 112 नम्बर डायल किया और पूरा लालगंज बाजार इक्कठा हो गया तब अपराधी भाग गये लेकिन स्थानीय पुलिस मदद नहीं कर रही है।

77 जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाहः 25 हजार रुपये के उपहार दिए गए, 15 हजार रुपए भोजन पर खर्च किए गए

संवाददाता–श्रावस्ती। राज्य सरकार की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 77 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हॉल में आयोजित किया गया। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद और प्रवीण यादव ने दीप प्रज्वलन व कलश पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग और मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र और उपहार भेंट किए। विवाह समारोह सामाजिक और धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न हुआ।

जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने कहा कि यह योजना निर्धन परिवारों की बेटियों के विवाह में आने वाली आर्थिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए लागू की गई है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्रति जोड़े को कुल एक लाख रुपये की सहायता दी जाती है। इसमें 60 हजार रुपये लाभार्थी के बैंक खाते में, 25 हजार रुपये के उपहार और 15 हजार रुपये भोजन, टेंट व अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च किए जाते हैं। मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए है। उन्होंने कहा कि इस योजना से परिवारों को बेटियों की शादी की चिंता से राहत मिलेगी। योजना के सफल संचालन की जिम्मेदारी समाज कल्याण विभाग को सौंपी गई है, जो पात्र लाभार्थियों का चयन कर उन्हें लाभ प्रदान कर रहा है।

इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विभिन्न विकास खंडों और नगर निकायों से जोड़े शामिल हुए। इनमें इकौना से 14, गिलौला से 12, हरिहरपुरारानी से 15, जमुनहा से 8, सिरसिया से 17, नगर पालिका भिनगा से 8 और नगर पंचायत इकौना से 3 जोड़े थे। सामाजिक वर्ग के अनुसार, अल्पसंख्यक वर्ग के 24, अन्य पिछड़ा वर्ग के 24, अनुसूचित जाति के 15, अनुसूचित जनजाति के 2 और सामान्य वर्ग के 12 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। कार्यक्रम के अंत में जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. अमरनाथ यति ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

बड़े मंगलवार पर विशाल भंडाराः हजारों श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित

संवाददाता–महराजगंज। ज्येष्ठ माह के चौथे बड़े मंगलवार को सिसवा नगरपालिका में धार्मिक उत्साह के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर विवेकानंद नगर वार्ड में एक विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया, वहीं हनुमान गढ़ी सहित कई मंदिरों में सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। यह विशाल भंडारा कस्बे के विवेकानंद नगर वार्ड में सामाजिक संस्था बालाजी सेवक द्वारा आयोजित किया गया था। पुरानी पुलिस चौकी, बड़ौदा यूपी बैंक तिराहे पर हुए इस कार्यक्रम में हजारों लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। भंडारे से पूर्व, संस्था से जुड़े भक्तों ने विधि–विधान से बजरंगबली की पूजा–अर्चना की और उन्हें भोग लगाया। इसके बाद बड़ौदा यूपी बैंक तिराहे पर महाप्रसाद का वितरण प्रारंभ हुआ। आयोजकों ने बताया कि बालाजी सेवक संस्था पिछले तीन वर्षों से हर बड़े मंगलवार पर ऐसे आयोजन करती आ रही है। उन्होंने भविष्य में इसे और बड़े स्तर पर आयोजित करने की योजना का उल्लेख किया। आयोजकों के अनुसार, ऐसे आयोजन समाज को एकजुट करने और श्रद्धालुओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का प्रतीक हैं। उन्होंने ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार के विशेष धार्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य बजरंगबली की कृपा से क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखना है। इस आयोजन को सफल बनाने में अनिल खेतान, विपिन अग्रवाल, रविराज जायसवाल, आशीष गाडिया, शिव अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, पिंकू सोनी और विकास जायसवाल सहित कई अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

गर्दन रेतकर युवक की हत्या, लाश बोरे में भरकर फेंकी

संवाददाता–गोरखपुर। जिले मे एक युवक की बेरहमी से गर्दन रेतकर हत्या कर दी गई। शव को बोरे में भरकर नदी में फेंक दिया। मंगलवार को राहगीरों की नजर नदी में उतराते बोरे पर पड़ी। बदबू की वजह से शक हुआ तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से बोरी को बाहर निकाला। खोला तो लाश मिली। गर्दन पर गहरे जख्म थे। हाथ बंधे हुए थे। कपड़ों पर लगे स्टीकर से पुलिस टेलर के पास पहुंची। वहां से मृतक के परिजनों का पता लेकर घर पहुंची। परिजनों ने शव की पहचान आदित्य साहनी के रूप में की। पुलिस सूत्रों का कहना है कि आदित्य ने कुछ दिन पहले एक लड़की के घर पहुंचकर हंगामा किया था। इसके बाद उसके परिवारवालों ने उसे खूब मारा। बाइक को आग के हवाले कर दिया। तब से आदित्य अपने घर नहीं लौटा था। आदित्य की मां संजू देवी ने आरोप लगाया है कि घर पर हंगामे से नाराज होकर लड़की के परिवारवालों ने गला रेतकर आदित्य की हत्या कर दी। फिर शव को बोरे में भरकर आमी नदी में फेंक दिया। परिवारवालों की तहरीर पर पुलिस ने 23 लोगों के खिलाफ ध्द की है। पांच को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना गीज्ञ थाना क्षेत्र की है। सहजनवां थाना क्षेत्र के टिकरिया गांव के रहने वाले राजेश साहनी हैदराबाद में पेंट–पॉलिश का काम करते हैं। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उनका बेटा आदित्य साहनी (26) भी हैदराबाद भी जाता रहता था। अक्सर खजनी के एक गांव में अपने ननिहाल आता था। वहां एक लड़की से उसकी दोस्ती हो गई। शुरुआत में परिवारों ने नजरअंदाज किया, लेकिन बाद में विवाद बढ़ता गया। कई बार दोनों परिवारों में कहासुनी हुई। 1 जून 2021 को लड़की ने खजनी थाने में आदित्य पर रेप का मुकदमा दर्ज कराया। आरोप लगाया कि आदित्य ने जबरन संबंध बनाए। आदित्य को जेल हो गई। बाद में जमानत मिलने पर वह पिता के पास हैदराबाद चला गया। तब से मामला शांत था। इस बीच पिछले महीने की 20 तारीख को लड़की की शादी हो गई। 10 दिन पहले यानी 16 मई को आदित्य हैदराबाद से अपने ननिहाल आया। लड़की भी 17 मई को अपने मायके आ गई। इस बीच लड़की ने 21 मई को खजनी थाना में आदित्य पर छेड़खानी का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज करवा दिया। इससे नाराज आदित्य ने 24 मई यानी रविवार को 8–10 साथियों के साथ लड़की के घर पर हंगामा कर दिया। घर में घुसकर मारपीट की। टीवी, फ्रिज समेत घरेलू सामान तोड़ डाले। घटना में दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। शोर सुनकर ग्रामीण पहुंचे तो आदित्य और उसके साथी भाग निकले। परिवार के लोगों ने पीछाकर आदित्य को कटघर चौराहे के पास पकड़ लिया। बाइक में आग लगा दी। इसके बाद से आदित्य अपने घर नहीं पहुंचा। छेड़छाड़ के मामले में पुलिस आदित्य को तलाशती रही। इस बीच 25 मई की सुबह गीडा क्षेत्र के भरसांड़ स्थित आमी नदी पुल के नीचे बोरे में आदित्य का शव मिला।

डीएम ने दो पूर्ति निरीक्षकों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने जन समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही और शासकीय निर्देशों की अनदेखी पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने दो पूर्ति निरीक्षकों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्ति निरीक्षक उसका बाजार प्रियंका कश्यप और पूर्ति निरीक्षक लोटन माला गुप्ता के खिलाफ शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। जांच में यह भी पाया गया कि दोनों अधिकारियों द्वारा शासन के महत्वपूर्ण निर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा था। जिलाधिकारी द्वारा जारी कार्यवाई पत्र में बताया गया है कि दोनों पूर्ति निरीक्षक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 12 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होकर जनसुनवाई के निर्देश का पालन नहीं कर रही थीं। इसके अतिरिक्त, वे तहसील में अक्सर अनुपस्थित रहती थीं, पेट्रोल पंपों और गैस एजेंसियों की नियमित निगरानी में शिथिलता बरतती थीं। आईजीआरएस और अन्य जन शिकायतों का समय पर निस्तारण न करना तथा शिकायतकर्ताओं व आमजन के साथ उचित व्यवहार न करना भी कार्यवाई का प्रमुख आधार बना। जिलाधिकारी ने प्रशासनिक कार्यों में जवाबदेही और पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की योजनाओं और जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस संबंध में जिला पूर्ति अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस कार्रवाई की पुष्टि की है।

पत्नी साथ आने को तैयार नहीं हुई तो पुलिस को फोन कर मोबाइल टहर पर चढ़ा पति

संवाददाता–गोरखपुर। पति की मारपीट से तंग आकर रिश्तेदारी में गई पत्नी जब साथ चलने को तैयार नहीं हुई तो युवक मंगलवार को मोबट कस्बे में खुदकुशी करने के लिए मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। टॉवर पर चढ़ने से पहले उसने डॉयल– 112 पर सूचना दी। युवक के टॉवर पर चढ़ते ही कस्बे में हड़कंप मच गया। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। युवक को नीचे उतारने के लिए पुलिस ने उसकी पत्नी को मौके पर बुलाया। पत्नी, पति की हर बात मानने को तैयार हुई उसके बाद ही वह नीचे उतरा। पुलिस उसे थाने ले गई और दोबारा ऐसी हरकत न करे इसके लिए शांतिभंग में चालान कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, सहजनवा थाना क्षेत्र के रहने वाले युवक ने मंगलवार दोपहर डायल 112 पर फोन कर बताया कि वह भटहट कस्बे में स्थित टॉवर पर चढ़कर आत्महत्या करने जा रहा है। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंच गई। युवक की पहचान रियाजुद्दीन के रूप में हुई। उसने लगभग एक साल पहले कोर्ट मैरिज की थी। सूचना पर भटहट चौकी प्रभारी मदन मोहन मिश्र समेत अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। वे युवक को नीचे उतारने का प्रयास करने लगे। युवक की एक रिश्तेदार महिला ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। एक हफ्ते पहले भी उसने पत्नी की पिटाई की थी, जिससे नाराज होकर पत्नी रिश्तेदारी में चली गई थी। मंगलवार को युवक अपनी मां को साथ लेकर पत्नी को मनाने पहुंचा था, लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद वह कस्बे में स्थित टॉवर पर चढ़ गया। पुलिस के प्रयास के बाद एक रिश्तेदार बाइक से उसकी पत्नी को मौके पर लेकर पहुंचा। पत्नी युवक से नीचे उतरने की अपील करने लगी। युवक का कहना था कि उसकी सभी बातें मानी जाएं तभी वह नीचे उतरेगा। काफी समझाने–बुझाने के बाद वह किसी तरह नीचे उतर आया। टॉवर से उतरते ही उसने पत्नी का नाम लेते हुए कहा कि वह उसके बिना नहीं रह पाएगा। टॉवर से नीचे उतरने के बाद कुछ लोग युवक की पत्नी का वीडियो बनाने लगे। इससे नाराज महिला ने वीडियो बना रहे युवकों के मोबाइल तोड़ दिए। युवक ने टॉवर पर चढ़ने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा था। उसने रिश्तेदारों पर पत्नी को उससे अलग करने का आरोप लगाया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस उसे थाने ले गई और शांतिभंग में चालान कर दिया।

ईद की तैयारी तेज, 'सुल्तान' और 'राजा बाबू', साढ़े तीन लाख में बिके

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में बकरीद से पहले बकरों की मंडियां पूरी तरह सज गई हैं। नौगढ़, बांसी, बढ़नी, डुमरियागंज और हल्लौर समेत कई कस्बों में मंगलवार को दिनभर खरीदारों की भीड़ उमड़ी रही। कुर्बानी के लिए लोग अपनी पसंद और बजट के हिसाब से बकरों की खरीदारी करते दिखे। जिले की सबसे चर्चित बिक्री नौगढ़ के मंगल बाजार में हुई, जहां राजस्थानी जमुनापारी नस्ल के बकरों का एक जोड़ा साढ़े तीन लाख रुपये में बिका। बताया गया कि यह विशेष नस्ल का जोड़ा आगरा का एक व्यापारी लेकर आया था। खरीददार फसादीपुर निवासी कमरुद्दीन ने बताया कि बकरों की नस्ल, कद–काठी और सेहत को देखते हुए उन्होंने यह जोड़ा खरीदा। बाजार में यह जोड़ा दिनभर लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा।

उधर डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के हल्लौर कस्बे की साप्ताहिक मंगल बाजार बकरा मंडी में भी भारी भीड़ रही। त्याग और बलिदान के प्रतीक बकरीद का त्योहार करीब आते ही कुर्बानी के लिए खरीदारी तेज हो गई है। मंडी में बकरा, बकरी और भेड़ की जमकर खरीदफरोख्त हुई। यहां 8 हजार रुपये से लेकर 80 हजार रुपये तक के बकरे बिके, जबकि एक विशेष बकरे की कीमत एक लाख रुपये तक पहुंच गई। हल्लौर मंडी में इस बार जिले के अलावा आसपास के कई जनपदों से व्यापारी पहुंचे। गोंडा, बलरामपुर, फैजाबाद, अकबरपुर, बनारस, बहराइच और उत्तरौला समेत कई इलाकों से कारोबारी अपने जानवर लेकर आए थे। वहीं बिस्कोहर और इटवा क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में खरीदार पहुंचे। मंडी में दिनभर मोलभाव चलता रहा और सैकड़ों बकरों की बिक्री हुई। व्यापारियों का कहना है कि इस बार अच्छी नस्ल और बड़े आकार के बकरों की मांग ज्यादा है। लोग वजन, नस्ल और सजावट देखकर कीमत तय कर रहे हैं। कई खरीदार पहले से तय रकम लेकर मंडियों में पहुंचे थे।

जिले के अन्य कस्बों बांसी, बढ़नी और डुमरियागंज में भी देर शाम तक बाजार गुलजार रहे। सड़कों किनारे अस्थायी मंडियां सजी रहीं, जहां छोटे कारोबारियों की भी अच्छी बिक्री हुई। त्योहार करीब आने के साथ अगले दो दिनों में मंडियों में और भीड़ बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

छत से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल थाना क्षेत्र के भीतरी मोहल्ला वार्ड में एक व्यक्ति का शव छत की कुंडी से लटका हुआ मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया यह मामला पारिवारिक कलह से जुड़ा बताया जा रहा है।

प्रभारी निरीक्षक मेंहदावल राकेश कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को कस्बे के भीतरी मोहल्ला सानी केवटलिया निवासी मनीष पुत्र प्रभु दयाल (30) का शव उसके घर में ही छत की कुंडी से दुपट्टे के सहारे लटका हुआ परिजनों ने देखा। परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्यवाही पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए संतकबीरनगर के मर्चरी गृह भेज दिया। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नाले में गिरकर गाय की मौत से आक्रोश, दो जेई और ठेकेदार फर्म को नोटिस

संवाददाता–गोरखपुर। वार्ड संख्या 09 नकहा स्थित रामजानकीनगर कौशलपुरम कॉलोनी के निकट निर्माणाधीन नाले में गिरकर एक गर्भवती गाय की मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों में आक्रोश फैल गया और लोगों ने मौके पर पार्षद शशांक सोनकर संग प्रदर्शन कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले का कड़ा संज्ञान लेते हुए मुख्य अभियंता अमित शर्मा ने अवर अभियंता विवेकानंद सिंह, सहायक अभियंता शैलेश कुमार और ठेकेदार फर्म मेसर्स धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। उन्हें पूरे प्रकरण की जांच के आदेश भी दिए हैं। प्रदर्शन कर रहे क्षेत्रीय पार्षद शशांक सोनकर, राकेश नायक ,कमलेश नागवंशी, ज्ञान प्रकाश गुप्ता, नासिर अहमद ,प्रदीप सिंह ,सुरेंद्र कुशवाहा, अजय मिश्रा, अक्षय श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, संतोष शर्मा, वीरेंद्र श्रीवास्तव, फराज अहमद ने आरोप लगाया कि 22 मई को ज्ञान प्रकाश ने आईजीआर पर शिकायत की थी। काफी लोगों ने शिकायत पर हस्ताक्षर किया था। शिकायत में लिखा था कि 45 दिन से नाला खोद कर छोड़ दिया गया है जिससे न केवल दुकानों का संचालन एवं आवागमन प्रभावित हो रहा बल्कि हादसे की आशंका भी बनी हुई है। लेकिन उस पर भी कोई सुनवाई नहीं हुई। गोरखवार की सुबह पांच बजे के करीब मोहल्ले के यादव की पालतू गर्भवती गाय नाले में मुंह के बल गिर गई। स्थानीय नागरिकों ने निकालने की कोशिश की लेकिन गर्भवती गाय जब तक निकालते दम तोड़ गई। मामले की सूचना देने के दो घंटे के बाद मौके पर सहायक अभियंता शैलेश कुमार आए। बाद में नगर आयुक्त अजय जैन के निर्देश पर मुख्य अभियंता अमित शर्मा, अधिशासी अभियंता अमरनाथ, सहायक अभियंता शैलेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृत गाय को मौके से हटा कर उसका निस्तारण कराया। वार्ड संख्या 09 नकहा में रामजानकीनगर कालोनी गेट से कौशलपुरम होते हुए स्पोर्टस कालेज तक 12 करोड़ रुपये की लागत से आरसीसी नाला और स्लैब का निर्माण किया जाना था। 20 जुलाई 2024 को मेसर्स धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव फर्म ने काम शुरू किया लेकिन जिसे 19 जनवरी 2025 में ही पूरा करना था। लेकिन धीमी रफ्तार के कारण पिछले साल मानसून सीजन में लोगों ने भारी दुश्वरी झेली। आज 23 माह बाद भी निर्माण कार्य अधूरा है। प्री मानसून बारिश शुरू भी हो गई है लेकिन काम खत्म होना नहीं दिख रहा है।

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 77/2024
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
गीता देवी आदि
बनाम
लईक अहमद आदि
1. लईक अहमद पुत्र सिजाउद्दीन निवासी सिकंदरपुर थाना सम्मनपुर जनपद अम्बेडकर नगर (वाहन स्वामी वाहन संख्या UP 45/P–7226) 2. धर्मेन्द्र गुप्ता पुत्र बाबूराम गुप्ता निवासी वारीधाट थाना लालगंज जनपद बस्ती (वाहन चालक वाहन संख्या UP 45/P–7226)
तारीख पेशी 05–6–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 161/2024
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
प्रभाकर प्रसाद उपाध्याय
बनाम
रामकरन आदि
1. रामकरन पुत्र राम मनोहर ग्राम–सहाईपुर नरहरपुर, थाना–कन्धई जनपद–प्रतापगढ़, उ०प्र० (वाहन स्वामी पिकअप सं०–UP 72 BT 2218) 2. मदन पुत्र रामपति ग्राम ताला, थाना–कन्धई जनपद–प्रतापगढ़, उ०प्र० (वाहन चालक पिकअप सं०–UP 72 BT 2218) 3. लीगल मैनेजर आई०सी०आई०सी०आई० लुम्बार्ड जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड 5 वी मंजिल सुमित बिल्डिंग निकट रोहतास, पिल्यूमेरिया, विभूति खण्ड गोमती नगर, लखनऊ, उ०प्र० (बीमा कम्पनी पिकअप सं०–UP 72 BT 2218)
तारीख पेशी 29–5–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–03/2026
बुद्धिराम
बनाम
अमर सिंह आदि
1. अमर सिंह 2. धर्मेन्द्र 3. बुद्धू पुत्रगण रामकिशुन 4. अयोध्या प्रसाद 5. रामनरेश 6. शिवनाथ 7. सन्तराम पुत्रगण सरस्वती साकिनान कोठवा भरतपुर तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम नेवरी गाढ़ा कुसरौत तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 22–08–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस
इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर सम्मायत अपील
अपील सं0– /2025
अदालत– श्रीमान अति0 उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती कल्पना देवी
बनाम
राजेन्द्र प्रसाद (मृतक) आदि
मौजा उदयपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
1. राजेन्द्र प्रसाद (मृतक) पुत्र भगवान दास 2. श्रीमती दुर्गावती देवी वयस्क पत्नी स्व0 राजेन्द्र प्रसाद 3. विनोद कुमार वयस्क 4. रामशिव वयस्क पुत्रगण ग्राम उदयपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–रेस्पान्डेटियान प्रथम वर्ग
5. राजेश्वर वयस्क पुत्र भगवान दास 6. काशीराम वयस्क पुत्र सुखराम निवासी ग्राम ग्राम उदयपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 7. श्रीमती धनपती देवी वयस्क पत्नी रामसुरेश ग्राम परासी तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–रेस्पान्डेटियान द्वितीय वर्ग
8. भूमि प्रबन्धक समिति द्वारा चेयरमैन ग्रामसभा उदयपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
–रेस्पान्डेटियान तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 02–06–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 26 माह 05 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर सम्मायत अपील
अपील सं0–
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
हरिशंकर
बनाम
जटाशंकर आदि
1. जटाशंकर पुत्र जयकरन 2. सुखदेव नरायन पुत्र उदयशंकर 3. श्याम नरायन पुत्र उदयशंकर 4. ममता श्रीवास्तव पत्नी हरिनरायन 5. सूरज श्रीवास्तव पुत्र हरिनरायन 6. कीर्ति श्रीवास्तव पुत्री हरिनरायन 7. ज्योति श्रीवास्तव पुत्री हरिनरायन 8. आशारानी पत्नी सत्यनरायन निवासीगण ग्राम पिकौरा कुंवर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 02–06–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 06 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह 23 05 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रर सम्मायत अपील
अपील सं0–
अदालत– श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रभु दयाल
बनाम
राजेन्द्र प्रसाद आदि
ग्राम कठौतिया साऊडीह तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
1. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र नीबर 2. आसाराम 3. मनोज 4. प्रमोद पुत्रगण रामनयन 5. श्रीमती कमलावती पत्नी रामनयन निवासीगण ग्राम कठौतिया साऊडीह तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 29–05–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 29 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह 23 05 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस
वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 605/2025
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ जिला– सिद्धार्थनगर
सदन प्रसाद आदि
बनाम
रेनू चौधरी आदि
रंगीलाल चौधरी पुत्र स्व0 मदन प्रसाद साकिन खलीलपुर टोला गौहनिया पोस्ट शिवपतिनगर तप्पा घोष परगना नौगढ़ तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर
तारीख पेशी 10–07–2026
प्रतिवादी सदन प्रसाद आदि ने आपके विरुद्ध बैनामा मनसूखी के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **10–07–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं। आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज तारीख 25.05.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

अदालती नोटिस
सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–650/2024
गंगा उर्फ गंगाराम
बनाम
श्रीमती फूलकली आदि
1. श्रीमती फूलकली पत्नी रामजनक 2. गब्बर 3. राज पुत्रगण स्व0 फौजदार 4. रामतेज पुत्र रामनयन समस्त निवासीगण पिनेसर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 5. श्रीमती गुड़िया पत्नी श्याम सुन्दर साकिन चौबाह पो0 मरवटिया बाबू तहसील व जिला बस्ती 6. श्रीमती मीना पत्नी राम निहाल साकिन रजपुरवा पो0 उमरिया तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 13–08–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 13 माह 08 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्लई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com